रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 91 इंदौर, बुधवार 5 मार्च 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर फिर मंडराने लगे संकट के बादल

एक और कैग रिपोर्ट की पीएसी करेगी जांच

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा सत्र के चौथे दिन स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी अनियमितताओं पर पेश की गई कैग रिपोर्ट पर चर्चा संपन्न हुई। सीएजी की यह रिपोर्ट जांच के लिए विधानसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) को भी भेजी गई थी। इससे पहले आबकारी नीति और उसकी आपूर्ति के संबंध में प्रस्तुत कैग रिपोर्ट भी पीएसी को भेजी जा चुकी है।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य से संबंधित कैग रिपोर्ट पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री डॉ. पंकज सिंह और मनजिंदर सिंह सिरसा सहित सत्तारूढ़ दल के प्रमुख सदस्यों की ओर से बोलने के बाद विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इसे जांच के लिए पीएसी को भेज दिया। उन्होंने तीन महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि इसकी जांच इसलिए भी जरूरी है ताकि कोरोना महामारी के समय से लेकर अन्य गंभीर मामलों पर कार्रवाई हो सके और जिम्मेदार लोगों को सजा मिल सके। इससे पहले इस रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों ने कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन आदि की कमी से लोगों की मौत के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया और उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की।

सीएजी रिपोर्ट को लेकर सत्तारूढ़ दल के रुख से स्पष्ट है कि वे किसी निष्कर्ष पर पहुंचना चाहते हैं। चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के सदस्यों को भी रिपोर्ट पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि पिछली सरकार ने दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। कोरोना महामारी के दौरान जब लोग ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब केजरीवाल अपने लिए शीश महल बनवाने में व्यस्त थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा दी गई धनराशि में से 787 करोड़ रुपये का उपयोग नहीं किया गया।

सफाई, दवा और इलाज के नाम पर घोटाला किया गया: मुख्यमंत्री

चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कोरोना काल में दिल्ली की जनता को हुई परेशानियों के लिए आप सरकार को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि केजरीवाल सरकार सिर्फ भ्रष्टाचार करने वाली है। मोहल्ला क्लिनिक के नाम पर फर्जी मरीज बनाकर फर्जी जांच की गई और फर्जी दवाइयां दी गईं। सफाई, दवा और इलाज के नाम पर सिर्फ घोटाला किया गया है। करोड़ों रुपए का भुगतान किया गया, दस रुपए का एन95 मास्क 150 रुपए में खरीदा गया। मशीनों की खरीद में नियमों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इन घोटालों का असली सरगना केजरीवाल है। केजरीवाल ने ट्रीटमेंट, ठेकों और यमुना प्रदूषण रोकने में हर जगह चोरी की है। अब पिछली सरकार ने दिल्ली सरकार का इंटरनेट मीडिया अकाउंट भी चुरा लिया है।

आतिशी, केजरीवाल का इतना पक्ष मत लो, मैं चिंतित हूं: रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आतिशी को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि वह मेरी बहन जैसी हैं, इसलिए मैं उन्हें केजरीवाल का इतना पक्ष न लेने की सलाह दे रही हूं, वह इसलिए चिंतित हैं क्योंकि जिस तरह से केजरीवाल ने एक महिला सांसद के साथ बदसलूकी की, वह महिलाओं के प्रति उनकी गलत मानसिकता को दर्शाता है।

आप ने कैग रिपोर्ट पर अपनी बात रखकर भाजपा को घेरा

पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने सोमवार को कैग रिपोर्ट पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सत्तारूढ़ भाजपा को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि कम से कम आपके बहाने से भाजपा को कैग रिपोर्ट पर भरोसा तो हुआ। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि पिछले चार दिनों में सदन के अंदर दो कैग रिपोर्ट पेश की गई। पिछले चार दिनों में सत्तारूढ़ पार्टी के 55 लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले कह रहे हैं कि आम आदमी पार्टी के लोग चोर हैं, गुंडे हैं, लुटेरे हैं, पापी हैं, निकम्मे हैं, हत्यारे हैं, अहंकारी हैं, कायर हैं, हत्यारे हैं। कहा कि महरौली के विधायक ने मुझे शूर्पणखा कहा है। हम भाजपा की हर बात मान रहे हैं, लेकिन दिल्ली की जनता ने भाजपा को गाली देने के लिए नहीं, बल्कि काम करने के लिए चुना है। आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आप विधायकों को असंवैधानिक तरीके से विधानसभा परिसर से बाहर रखा।

दिल्ली पुलिस के एसएचओ पर ही एफआईआर, बिना इजाजत रानी बाग थाने के पेड़ कटवाना पड़ गया महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट को वन एवं वन्यजीव विभाग की तरफ से सोमवार को एक महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। वन विभाग ने हाईकोर्ट को बताया कि पिछले दिनों दिल्ली के एक थाना परिसर से बगैर अनुमति लिए पेड़ों को काटा गया था। इस बाबत विभाग ने कार्रवाई करते हुए संबंधित थानाध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है।

जस्टिस धर्मेश शर्मा की बेंच के समक्ष उत्तरी वन विभाग की उप वन संरक्षक ने जानकारी देते हुए कहा कि रानी बाग थाना परिसर से चार पेड़ों को काटा गया था। इसके लिए पूर्व में अनुमति नहीं ली गई। उन्हें इस बाबत एक गैर सरकारी संगठन जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से शिकायत मिली थी। विभाग ने जांच के बाद संबंधित थानाध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। वहीं, इस मामले में बेंच ने जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष अजय अग्रवाल की याचिका पर बाहरी दिल्ली पुलिस उपायुक्त, रानी बाग थाने के थानाध्यक्ष व उत्तरी वन विभाग को नोटिस जारी किया है।बेंच ने तीनों प्रतिवादियों को 28 मार्च तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। इसी तारीख पर इस मामले में अगली सुनवाई होगी। दायर की अवमानना याचिका इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व के आदेशों का हवाला देते हुए गैर सरकारी संगठन जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से वकील बांके बिहारी, आर्यन सिंह एवं सागर ने बेंच के समक्ष अवमानना याचिका दायर कर पेड़ों की कटाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

सीसीटीवी फुटेज के संरक्षण की मांग:

याचिकाकर्ता ने इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ साक्ष्य एकत्रित करने के लिहाज से हाईकोर्ट से आग्रह किया कि 26 दिसंबर 2024 के रानीबाग थाने के सीसीसीवी कैमरे की फुटेज को संरक्षित करने के आदेश दिए जाएं। जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो। जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से वन विभाग व दिल्ली पुलिस से आरटीआई के तहत जवाब मांगा गया था। पुलिस की तरफ से आरटीआई का जवाब देते हुए कहा गया कि थाने में खड़े पेड़ों की छंटाई की गई थी।

अयोध्या के राम मंदिर पर हमले का मंसूबा और नाम धर लिया था शंकर

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात और हरियाणा एटीएस ने फरीदाबाद के पाली गांव से एक संदिग्ध आतंकवादी अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड भी बरामद किए गए हैं। अयोध्या के राम मंदिर पर हमले का मंसूबा पाल रहा 19 साल का अब्दुल रहमान ने अपना नाम शंकर धर लिया था। फरीदाबाद में वह इसी पहचान के साथ रह रहा था।

अब्दुल रहमान मूल रूप से अयोध्या का ही रहने वाला है। अयोध्या के बाद वह दिल्ली समेत कई राज्यों में घूम चुका था। हाईस्कूल तक पढ़ाई के बाद वह जमात के संपर्क में आया। दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज में रह चुका है। एक मार्च को दोस्त से मिलने के लिए दिल्ली जाने की बात कहकर वह अयोध्या निकला था और उसको मंगलवार को वापस घर जाना था। इससे पहले ही उसे दबोच लिया गया। अयोध्या के इनायतनगर थाने के मजनाई बाजार निवासी 19 वर्षीय युवक अब्दुल रहमान की हरियाणा में गिरफ्तारी की खबर के बाद अयोध्या में सुरक्षा व खुफिया एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। एजेंसियां उसका इतिहास और वर्तमान खंगालने में जुटी है।

गुजरात एटीएस और फरीदाबाद एसटीएफ की ओर से पाली गांव से पकड़े गए अब्दुल रहमान के पिता अबू बकर अपने घर पर ही बेटे के नाम से चिकन की दुकान चलाते हैं और परिवार में मां के अलावा तीन छोटी बहनें हैं। क्षेत्र के ही मनीराम इंटर कालेज से हाईस्कूल की परीक्षा पास करने के बाद वह काम-धंधे में लग गया था और ई रिक्शा खरीद उसको कीन्हुपुर और गांव के बीच चलाता था। क्षेत्रीय लोगों और परिवार से मिली जानकारी के मुताबिक इसी दौरान वह जमात के संपर्क में आया और मौलाना हजरत उस्मान ने उसको दिल्ली के निजामुद्दीन मरकज तक पहुचाया। लगभग छह महीने पहले अब्दुल जमात में शामिल होने दिल्ली गया और वहां लगभग चार महीने रहा।

संसद की सुरक्षा में चूक मामला: आरोपी नीलम आजाद की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने संसद सुरक्षा चूक की आरोपी नीलम आजाद की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है. जस्टिस प्रतिभा सिंह की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल को करने का आदेश दिया. आरोपी नीलम आजाद ने ट्रायल कोर्ट की ओर से जमानत याचिका खारिज करने के आदेश को चुनौती दी है.

दरअसल, पटियाला हाउस कोर्ट ने 13 सितंबर, 2024 को नीलम आजाद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी. वहीं 24 दिसंबर, 2024 पटियाला हाउस कोर्ट ने इस मामले के एक और आरोपी मनोरंजन डी की जमानत याचिका खारिज कर की थी. इसके अलावा 22 नवंबर, 2024 को सह-आरोपी महेश कुमावत की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी.

यह था मामला

बता दें कि 13 दिसंबर, 2023 को संसद की विजिटर गैलरी से दो आरोपी चैंबर में कूदे थे. कुछ ही देर में एक आरोपी ने डेस्क के ऊपर चलते हुए अपने जूतों से कुछ निकाला और अचानक पीले रंग का धुआं निकलने लगा. घटना के बाद सदन में अफरातफरी मच गई थी. हंगामे और धुएं के बीच कुछ सांसदों ने इन युवकों को पकड़ लिया और इनकी पिटाई भी की थी. कुछ देर के बाद संसद के सुरक्षाकर्मियों ने दोनों युवकों को कब्जे में ले लिया था. संसद के बाहर भी दो लोग पकड़े गए थे जो नारेबाजी कर रहे थे और पीले रंग का धुआं छोड़ रहे थे.

धनंजय मुंडे ने दिया

मंत्री पद से इस्तीफा

सरपंच हत्याकांड में बढ़ी मुश्किलें

रंजीत टाइम्स » मेहबूब शैख

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता धनंजय मुंडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला राज्य सरकार में एक बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के बाद लिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बात की पुष्टि की और बताया कि मुंडे का इस्तीफा उनके पर्सनल असिस्टेंट प्रशांत जोशी द्वारा फडणवीस के सरकारी आवास पर सौंपा गया। यह इस्तीफा महाराष्ट्र के बीड जिले के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से जुड़ी घटनाओं के बाद आया है, जिसमें मुंडे का करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड नामित हुआ है। पुलिस द्वारा की गई जांच में सामने आया है कि कराड और उसके सहयोगियों ने मिलकर देशमुख की हत्या की साजिश रची थी, क्योंकि वह जबरन वसूली के खिलाफ खड़ा हो गया था।

सूत्रों के अनुसार

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल को पत्र भेजकर साफ शब्दों में कहा था कि इस घोटाले में मुंडे की नामी भूमिका को देखते हुए उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। बीते जनवरी महीने में महाराष्ट्र पुलिस ने कराड और उसके छह सहयोगियों को मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट, 1999) के तहत गिरफ्तार किया था, जो अब हत्या के मामले में मुख्य आरोपी बने हुए हैं। धनंजय मुंडे का इस्तीफा ऐसे समय पर आया है जब महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मची हुई है। यह घटनाक्रम राज्य के भीतर आगामी विधानसभा चुनावों की ओर इशारा कर रहा है, जिसमें सत्ता की डोर पर पकड़ बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

इस मामले की गहराई से जांच जारी है और पुलिस के उच्च अधिकारी जल्द ही मीडिया से इसका विस्तृत विवरण साझा करेंगे। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह घटनाक्रम एनसीपी के लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती पेश कर सकता है, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता का इस्तीफा इस पार्टी के अंदर के संघर्षों और बाहरी दबावों को उजागर करता है।

मोटिवेशनल स्पीकर राजेश कडोले का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहला पॉडकास्ट !

इंदौर के प्रतिष्ठित मोटिवेशनल स्पीकर, लेखक और बिजनेस कोच श्री राजेश कडोले ने थर्ड आई अफ्रीका

कंसल्टिंग ग्रुप के संस्थापक एवं अंतर्राष्ट्रीय वक्ता श्री इमैनुएल ज़वाडा (अफ्रीका) के साथ रेडिशन ब्लू होटल, इंदौर में एक विशेष पॉडकास्ट रिकॉर्ड किया। यह पॉडकास्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तिगत विकास, नेतृत्व और सफलता के नए आयामों पर केंद्रित रहा।

राजेश कडोले, जो अब तक 500 से अधिक मोटिवेशनल और बिजनेस सेमिनार आयोजित कर चुके हैं, अपने पहले इंग्लिश पॉडकास्ट के जरिए वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उनकी प्रेरणादायक यात्रा, जिसमें उन्होंने पुलिस, कॉलेजों और बड़ी कंपनियों को प्रशिक्षित किया है, अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराही जा रही है।

यह पॉडकास्ट जल्द ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होगा, जिससे लाखों लोग प्रेरित हो सकेंगे!

भोपाल में सनसनीखेज वारदात

पिता के सामने बेटे की बेरहमी से हत्या

चाकू मारकर उतारा मौत के घाट, इलाके में दहशत

रंजीत टाइम्स

भोपाल। राजधानी भोपाल के गांधीनगर इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां तीन बदमाशों ने दिनदहाड़े एक युवक को उसके पिता के सामने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और फिर बेरहमी से चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। 25 वर्षीय अदनान की सरेराह हुई इस नृशंस हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पिता की आंखों के सामने बेटे का कत्ल, चीखते रहे – छोड़ दो, लेकिन वहशी दरिंदों ने नहीं सुनी फरियाद- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अदनान अपने पिता के साथ मस्जिद के पास से गुजर रहा था, तभी मोहल्ले में ही रहने वाले तीन युवकों ने उसे घेर लिया। राज सोलंकी, लक्की सोलंकी और शुभम सोलंकी नाम के युवकों ने अदनान को बेरहमी से लात-घूंसों से पीटा, फिर बीच सड़क पर पेट में ताबड़तोड़ चाकू घोंप दिए। खून से लथपथ अदनान तड़पता रहा और पिता बेबस होकर चीखते-चिल्लाते रहे, लेकिन आरोपियों को जरा भी रहम नहीं आया।

हत्या के बाद हड़कंप, आक्रोशित परिजनों का थाने पर हंगामा, आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन-

अदनान की मौत की खबर मिलते ही गुस्साए परिजन थाने पहुंच गए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। माहौल बिगड़ता देख वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जल्द ही सभी आरोपियों को पकड़ने का भरोसा देकर परिजनों को शांत कराया। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुरानी रंजिश या आपसी विवाद? हत्या की वजह की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि अदनान और आरोपियों के बीच पहले भी किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि, हत्या की असली वजह क्या है, यह अब तक साफ नहीं हो पाया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

भोपाल में अपराधियों के हौसले बुलंद, सरेराह हत्या से डरा इलाका

दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात ने राजधानी भोपाल में कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई इस निर्मम हत्या को किसी ने रोकने की कोशिश नहीं की। लोग तमाशबीन बने रहे और चाकू मारने वाले आराम से फरार हो गए। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है और पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

क्या बोले पुलिस अधिकारी?

गांधीनगर थाना प्रभारी ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। फरार आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है, ताकि हत्या के पीछे की असली वजह सामने आ सके।

भोपाल में बढ़ते अपराधों से लोग डरे, प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने की मांग

इस वारदात के बाद से गांधीनगर ही नहीं, पूरे भोपाल में डर और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे आम लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लोगों ने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

न्याय की मांग, सख्त सजा की अपील

मृतक अदनान के परिजनों ने सरकार से मांग की है कि हत्यारों को फांसी जैसी सख्त सजा दी जाए, ताकि भोपाल की सड़कों पर कोई और पिता अपने बेटे की लाश न उठाए।

रणजीत टाइम्स

03

DIGITAL EDITION

आज का राशिफल - 5 मार्च 2025

मेष (Aries) – आत्मविश्वास बढ़ेगा, धन लाभ के योग हैं।
वृषभ (Taurus) – पारिवारिक सुख मिलेगा, सोच-समझकर निर्णय लें।
मिथुन (Gemini) – कार्य में मेहनत करनी होगी, धैर्य रखें।
कर्क (Cancer) – आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, रिश्तों में मधुरता आएगी।
सिंह (Leo) – कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा, यात्रा में सावधानी रखें।
कन्या (Virgo) – नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, निवेश सोच-समझकर करें।
तुला (Libra) – रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, पारिवारिक समय अच्छा रहेगा।
वृश्चिक (Scorpio) – व्यवसाय में उन्नति होगी, धन लाभ के योग हैं।
धनु (Sagittarius) – स्वास्थ्य का ध्यान रखें, नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं।
मकर (Capricorn) – आर्थिक मामलों में सतर्क रहें, धैर्य से काम लें।
कुंभ (Aquarius) – रुके हुए काम पूरे होंगे, आत्मविश्वास बढ़ेगा।
मीन (Pisces) – शुभ समाचार मिलेगा, मानसिक शांति बनी रहेगी।

शुभ दिन की शुभकामनाएँ !

रायपुर - संभागायुक्त श्री महादेव कावरे ने छत्तीसगढ़ महाविद्यालय में आयोजित विभागीय परीक्षा का निरीक्षण किया गया । आज सुबह की पाली 10 बजे से 1बजे में कुल 37अधिकारी उपस्थित थे जिसमे राजस्व के 15 महिला एवम बाल विकास से 18 माइनिंग आदिवासी विकास के 2पंजीयन विभाग के 1 अधिकारी उपस्थित रहे।इस दौरान उपायुक्त ज्योति सिंह और श्री रजक डिप्टी कलेक्टर उपस्थित रहे विभागीय परीक्षा १० मार्च तक चलेगी ।

डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत करने पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश

सूरजपुर। साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत करने, सिम आधारित धोखाधड़ी को रोकने, ऑनलाईन फ्रांड से निपटने, फर्जी सिम के उपयोग पर पूर्णतः अंकुश लगाने एवं साइबर अपराध की विवेचना पेशेगत तरीके से कराने को लेकर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने सोमवार, 03 मार्च 2025 को पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारियों को कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपनी आईडी पर फर्जी सिम कार्ड जारी कराता है या करता है अथवा मनी म्यूलिंग में शामिल होता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। आम जनता को बताए कि साइबर ठगी या फर्जी सिम कार्ड से जुड़ी कोई भी जानकारी मिलती है, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएं, ऐसी कोई भी शिकायत मिलने पर फौरन एक्शन ली जाए। जिले की पुलिस फर्जी सिम जारी करने वालों के डाटा भी खंगाल रही है।

डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस अधिकारियों को कहा कि साईबर पुलिस पोर्टल का उपयोग करें, साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए कड़ा रुख अपनाए, सिम कार्ड के साथ धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए, जालसाजी कर दूसरे के नाम पर सिम जारी कराकर उपयोग के लिए दूसरों को देने वालों को चिन्हित करें, ऐसे संस्थान/दुकान जो नियमों का उल्लंघन करते है उन्हें ब्लैकलिस्ट करने सिम कंपनियों को सूचित करें और कानूनी कार्यवाही के साथ ही सीम विक्रय को लेकर प्रतिबंध लगवाए। साइबर अपराध से जुड़े मामलों में समुचित कार्यवाही कर जल्द निराकरण किए जाए। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, डीएसपी रितेश चौधरी, अनूप एक्का, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, जिले के थाना/चौकी प्रभारी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।साइबर जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश।

जिले के थाना-चौकी व साइबर सेल को निर्देशित किया गया है कि चलित थाना, ग्राम चौपाल, ग्राम भ्रमण के के दौरान तथा सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करें। ताकि आम लोगों के दस्तावेजों पर फर्जी सिम कार्ड जारी न हो सके, साइबर अपराधी सिम कार्ड का उपयोग डिजिटल ठगी, शेयर ट्रेडिंग फ्रांड और केवाईसी अपडेट के नाम पर न कर सके। डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने कहा कि इन आयोजनों में लोगों को बताए कि किसी अन्य के नाम से जारी सिम कार्ड का उपयोग करना या भ्रामक संदेश भेजना अपराध की श्रेणी में रखा गया है ऐसा करने पर जेल भी भेजा जा सकते है।

डीआईजी/एसएसपी ने साइबर अपराध बचने बताए टिप्स

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने साइबर अपराध से बचने के टिप्स बताते हुए कहा कि अपने डिवाइस और सॉफ़्टवेयर को अपडेट रखें, एंटीवायरस और मैलवेयर सुरक्षा सॉफ़्टवेयर इंस्टॉल करें, अपने सभी अकाउंट के लिए अलग-अलग और अनोखे पासवर्ड का इस्तेमाल करें, फ़र्ज़ी या अनजान लिंक पर क्लिक न करें, केवल उन साइटों पर अपना कार्ड विवरण दर्ज करें जिनके बारे में आप जानते हैं कि वे वैध हैं, अपने सोशल मीडिया प्रोफ़ाइल की सेटिंग बदलें ताकि केवल करीबी परिचित ही संवेदनशील जानकारी देख सकें, ऑनलाइन गेम खेलने से बचे और सावधानी बरते, संदिग्ध लगे तो अपने बड़ों को बताकर ही उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करें अथवा पुलिस की मदद लें, पुलिस की अपील। सूरजपुर पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी आईडी और दस्तावेजों का दुरूपयोग न होने दें। यदि कोई व्यक्ति अपनी आईडी पर फर्जी सिम कार्ड जारी कराता है या मनी म्यूलिंग में शामील होता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। यदि किसी को साईबर ठगी या फर्जी सिम कार्ड से जुड़ी कोई भी जानकारी मिलती है तो तुरंत साइबर हेल्पलाईन नंबर 1930 पर सम्पर्क करें या नजदीकी पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराएं।

जनपद पंचायत आरंग में जनपद अध्यक्ष के लिए श्रीमती टाकेश्वरी मुरली साहू, निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। जनपद पंचायत आरंग में जनपद उपाध्यक्ष पद के लिए श्री रविन्द्र रिकु चन्द्राकर, निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

रमजान के बीच नफरत फैलाने वाले मैसेज वायरल

हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव बढ़ाने की साजिश, नेताओं के बीच बयानबाजी

रंजीत टाइम्स

भोपाल। रमजान के पाक महीने की शुरुआत होते ही सोशल मीडिया पर एक बेहद विवादास्पद और नफरत फैलाने वाले मैसेजों की बाढ़ आ गई है। इन संदेशों में अपील की गई है कि मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के दौरान अपनी खरीददारी केवल मुस्लिम व्यापारियों से करें और हिंदू दुकानदारों से सामान न खरीदें। ये संदेश वायरल होते ही समाज में तनाव बढ़ने का डर पैदा हो गया है।

सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले संदेश

यह विवादास्पद संदेश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर "तनवीर" नामक एक आईडी से प्रसारित हुआ, जिसमें लिखा गया था कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान मुस्लिम समुदाय को सिर्फ मुस्लिम व्यापारियों से ही इफ्तार का सामान खरीदना चाहिए। संदेश में यह भी कहा गया था कि किसी भी हिंदू की दुकान से इफ्तार का सामान खरीदने से बचें, क्योंकि ऐसा करने से नफरत बढ़ सकती है। इसी प्रकार का दूसरा संदेश इबरार अहमद के नाम से भी वायरल हुआ, जिसमें रमजान की खरीदारी को लेकर इसी तरह की अपील की गई थी कि मुस्लिम समुदाय को अपनी खरीददारी मुस्लिम दुकानदारों से करनी चाहिए ताकि रमजान और ईद खुशी से मनी जाए। संदेश में इस तरह की धार्मिक भावनाओं को भड़काने की कोशिश की गई थी, जिससे समाज में तनाव और विभाजन का माहौल पैदा हो।

राजनीतिक बयानबाजी तेज, भाजपा और कांग्रेस में टकराव

इन संदेशों के वायरल होते ही राजनीति में भी तूफान आ गया है। भा.ज.पा. और कांग्रेस के नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। भा.ज.पा. के विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि देश का संविधान बाबा साहब आंबेडकर द्वारा बनाया गया था और यह संविधान सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार देता है। उन्होंने कहा, "हिंदू अगर बायकाट कर दें तो स्थिति बहुत खराब हो सकती है। हिंदू किसी को जीने का अधिकार देते हैं, लेकिन अगर उन्हें चुनौती दी गई तो हिंदू अपना बदला लेना जानते हैं।" वहीं, कांग्रेस के विधायक आरिफ मसूद ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह संदेश पूरी तरह से नफरत फैलाने वालों की साजिश हो सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई निर्णय किसी उलेमा या तंजीम ने नहीं लिया है और यह संदेश समाज में केवल नफरत फैलाने की कोशिश है। मसूद ने कहा कि ऐसे संदेशों का कोई धार्मिक आधार नहीं है और यह समाज को बांटने का प्रयास है।

सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले संदेशों का असरः

इन संदेशों के वायरल होने के बाद से पूरे देश में सोशल मीडिया पर धार्मिक सौहार्द को लेकर बहस शुरू हो गई है। जहां एक ओर कुछ लोग इन संदेशों की निंदा कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे अपने समुदाय की भावनाओं के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, पुलिस और प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और इस तरह के भड़काऊ संदेशों के खिलाफ कार्रवाई करने का ऐलान किया है। कई राज्यों में पुलिस ने साइबर सेल को अलर्ट किया है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसे संदेशों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की सलाह दी है।

समाज में शांति बनाए रखने की अपील

विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठन अब इस तरह के संदेशों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि रमजान का महीना और ईद जैसे पर्व शांति, प्यार और भाईचारे का प्रतीक होते हैं, ऐसे में इन संदेशों को फैलाकर समाज में नफरत फैलाना घातक हो सकता है।

अब देखना यह है कि क्या प्रशासन इस विवाद को जल्द सुलझा पाता है और समाज में शांति बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाता है।

जबलपुर कलेक्टर का बड़ा एक्शन

राजस्व वसूली में पिछड़ने पर 10 तहसीलदारों को नोटिस, दो वेतन वृद्धि रोकने की चेतावनी

रंजीत टाइम्स

जबलपुर में राजस्व वसूली के लक्ष्य में पिछड़ने पर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने प्रशासनिक महकमे में हलचल मचा दी है।

उन्होंने 10 तहसीलदारों को शो कॉज नोटिस जारी कर यह सवाल किया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य को क्यों पूरा नहीं किया गया। कलेक्टर के इस एक्शन से पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है, और तहसीलदारों में चिंता का माहौल बन गया है।

नोटिस में कलेक्टर का कड़ा संदेश

नोटिस में कलेक्टर ने तहसीलदारों से पूछा है कि आदेशों के बावजूद भी उन्होंने अपने टारगेट को क्यों पूरा नहीं किया, और इसके लिए उन्हें संतोषजनक जवाब देने को कहा गया है। यदि इन तहसीलदारों द्वारा उचित और स्पष्ट जवाब नहीं मिलता है, तो उनकी दो वेतन वृद्धि रोकने की चेतावनी दी गई है। कलेक्टर का कहना है कि यदि राजस्व वसूली में यह लापरवाही जारी रहती है, तो आगे कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आदेशों का उल्लंघन और उदासीनता पर सवाल

कलेक्टर ने नोटिस में यह भी कहा है कि लगातार समीक्षा के बावजूद निर्धारित लक्ष्य के अनुसार राजस्व वसूली में विफलता यह साफ तौर पर तहसीलदारों की उदासीनता और उच्च अधिकारियों के आदेशों का उल्लंघन दिखाता है। कलेक्टर का यह कदम प्रशासनिक स्तर पर एक कड़ा संदेश है कि अब कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता।

प्रशासनिक अमले में हड़कंप

कलेक्टर के इस सख्त कदम ने प्रशासनिक महकमे को झकझोर दिया है, और तहसीलदारों सहित अन्य अधिकारियों के बीच चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। अब देखना यह है कि इस नोटिस के बाद क्या तहसीलदार अपने टारगेट को पूरा करने में सफल होते हैं या फिर कलेक्टर को और सख्त कदम उठाने पड़ते हैं।

राजस्व वसूली पर कलेक्टर का ध्यान

राजस्व वसूली में पिछड़ने के कारण कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने यह कदम उठाया है, क्योंकि वित्तीय लक्ष्य को पूरा करना राज्य और केंद्र सरकार के लिए अहम है, और यह स्थानीय प्रशासन की कार्यकुशलता को भी दर्शाता है। अब यह देखा जाएगा कि कलेक्टर के इस कड़े फैसले के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली में क्या बदलाव आता है।

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278

रेलवे की नवीन पहल

डिजिटल भुगतान प्रणाली से टिकटिंग में पारदर्शिता

स्टेशनों के टिकट काउंटरों में ऑन लाइन भुगतान की सुविधा, ऑन लाइन भुगतान के साथ मिलेगी चिल्हर की समस्या से मुक्ति

"बिना कतार में लगे ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन से निकालें जनरल (अनारक्षित) टिकट" और आर वालेट से भुगतान कर पायें 03 प्रतिशत अतिरिक्त बोनस

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप का प्रयोग कर घर बैठे टिकट प्राप्त कर बचाएं अपना कीमती समय

बिलासपुर। पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से टिकटिंग प्रणाली में डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब बिलासपुर मंडल के सभी रेलवे स्टेशनों के एक टिकट काउंटर को छोडकर अन्य टिकट काउंटरों पर ऑनलाइन भुगतान की सुविधा का प्रावधान किया गया है | इस पहल के तहत टिकट काउंटर में बैठे कर्मचारियों द्वारा हर संभव सहायता की जा रही है, यात्रियों को ऑन लाइन भुगतान के साथ ही एटीवीएम से टिकट लेने के प्रक्रियाओं, इससे होने वाली फ़ायदों तथा घर बैठे यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप माध्यम से टिकट लेने के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है | इस पहल से यात्रियों को चिल्हर की समस्या, नकद लेन-देन की परेशानी से मुक्ति के साथ चिल्हर नहीं होने की स्थिति में ओवर चार्जिंग जैसी शिकायतों का समाधान तथा पारदर्शी टिकटिंग की सुविधा मिलेगी। उल्लेखनीय है डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करने, सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने तथा यात्री कतारों की परेशानी का सामना किए बिना टिकट खरीद सकें, इसी उद्देश्य से से रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशनों में ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है। साथ ही क्यूआर कोड और यूपीआई आईडी के माध्यम से डिजिटल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है |

ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ATVM) से अनारक्षित टिकट खरीदें – बिना कतार में लगे ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन" (ATVM) के माध्यम से जनरल (अनारक्षित) टिकट प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की है। साथ ही यात्री सरलतापूर्वक क्यूआर कोड एवं आर-वालेट के माध्यम से भुगतान कर किसी भी स्टेशन का जनरल (अनारक्षित) टिकट प्राप्त कर रहे हैं । साथ ही आर-वालेट से भुगतान करने पर तीन प्रतिशत अतिरिक्त बोनस का लाभ भी उठा रहे हैं | UTSऑनमोबाइलऐप–डिजिटलभुगतानकोबढ़ावा रेलवे द्वारा विकसित यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप (UTS on Mobile App) के माध्यम से यात्री घर बैठे किसी भी स्टेशन का जनरल टिकट अपने मोबाइल से ही बुक कर सकते हैं।

डिजिटल भुगतान के लाभः

1. तेजी एवं सुविधा – यात्री बिना कतार में लगे आसानी से टिकट प्राप्त कर सकते हैं। 2. पारदर्शिता – डिजिटल भुगतान से टिकटिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सकेगा। 3. बोनस लाभ – आर वालेट के माध्यम से डिजिटल भुगतान करने पर यात्रियों को 3% अतिरिक्त बोनस मिलेगा। 4. कैशलेस सुविधा – नकद लेन-देन से जुड़ी परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। 5. पर्यावरण अनुकूल – कागज रहित टिकटिंग प्रणाली से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने यात्रियों से आग्रह किया है, यात्रीगण कृपया डिजिटल भुगतान को अपनाकर रेलवे की इस नवीन पहल का लाभ उठाएँ और रेलवे को अधिक स्मार्ट और सुविधाजनक बनाने में सहयोग करें। इन मशीनों से इन माध्यमों से टिकट बुक कर टिकट काउंटर में लगने वाली लाइन व चेंज/ खुल्ले पैसे की दिक्कतों से निजात पायें तथा अपना कीमती समय बचाकर सुहाना सफर का लाभ उठाएँ |

योग परंपरा से ही भारत विश्व शांति का अग्रदूत रहा है

रंजीत टाइम्स

प्रागैतिहासिक काल से आज तक योग की पद्धति में नित नए आविष्कार नए परिवर्तन और समस्त मानव जाति के उत्थान के लिए कार्य हुआ है परंतु योग का हमारी भारतीय संस्कृति से क्या संबंध है,सहजयोग की फाउंडर श्री माताजी निर्मला देवी जी ने योग और भारतीय संस्कृति के विषय पर व्यापक चर्चा की है। अगर यह जानना चाहे तो पाते हैं कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार जो शांति का पोषण करता है वह योग की देन है कारण की जिस विश्व शांति का उद्घोषक भारत रहा है उसे भारतीयों ने बाहर नहीं अपने भीतर खोजा था। शांति की खोज पहले भीतर हुई और फिर वह बाहर फैला।

यही परंपरा भारत में योग के द्वारा स्थापित है। प्रथम शरीर, मन, बुद्धि से होते हुए आत्मा तक पहुंचकर आत्मिक शांति की खोज की जाती है और तब मनुष्य विश्व शांति की बात कर सकता है। आक्रोशित आवेशित व्यक्ति की प्रतिक्रिया बढ़ती है। उसका उन पर नियंत्रण नहीं रह सकता। ऐसा व्यक्ति विश्व शांति की बात करने का अधिकारी ही नहीं है। शांति का दूत वही बन सकता है जो जोड़ने की बात करे, एकात्मता की बात करे।

इस प्रकार योग भारतीय संस्कृति में भीतर तक रचता बसता है, करुणा भारतीय संस्कृति का श्रृंगार है, यह समर्पण सिखाती है, यह अहंकार प्रति अहंकार भावनाओं के द्वंद से लड़ना सिखाती है इसमें माधुर्य का बड़ा महत्व है। यहीं आचरण की बात आती है कि यदि हमारा आचरण और व्यवहार मधुर और शांतिपूर्ण होगा तभी हम विश्वशांति के उद्घोषक हो सकेंगे ज्ञान को पाकर मस्तिष्क अहंकारी हो जाता है, प्रगल्भ मस्तिष्क बाहरी खोज के कारण अहंकार से भर जाता है। इसी मस्तिष्क की प्रगल्भता को, मस्तिष्क की गहनता को यदि बाहर से भीतर की ओर उन्मुख कर दें तो यह योग के आत्म साक्षात्कार की जीवंत घटना को प्रकट करती है। इसे ही सहज योग बड़ी सरलता से घटित करता है जिसमें श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा मानव जाति को सामूहिक आत्म साक्षात्कार देने की पद्धति अविष्कृत की गई है। सहज योग छोटी-छोटी प्रार्थना द्वारा उस मानव मन को बुद्धि की प्रगल्भता से हटाकर, करुणामय और मधुर बनाकर, आत्मा की ओर उन्मुख कर देता है। चित्त आत्मा में सरलता से स्थापित करने के लिए यह एक सुंदर और क्षणिक उपाय है, जिससे 10 से 15 मिनट में ध्यान की क्रिया घटित हो जाती है।

कम समय में अधिक पाने का आधुनिक काल में सहजयोग से सुंदर कोई और तरीका नहीं है। अधिक जानकारी के लिए विजिट करें - www.sahajayoga.org.in

कंबोडिया के मेकॉन्ग नदी का अनोखा ब्रिज, हर साल बनाकर तोड़ दिया जाता है?

दुनिया में ऐसी कई अजीबोगरीब चीजें हैं जिनके बारे में जानकर लोग हैरान हो जाते हैं. इसी तरह एक पुल भी है जो बेहद अजीबोगरीब है. आप तो जानते होंगे कि पुलों को बनाने में कितना वक्त लगता है. सालों की मेहनत से उसे बनाया जाता है जिससे वो आने वाले कई सालों तक सही सलामत रहे. पर दुनिया में एक ऐसा भी पुल है जिसे हर साल बनाया जाता है और हर साल तोड़ दिया जाता है. अगले साल उसे दोबारा बनाया जाता है और फिर तोड़ दिया जाता है. ये प्रक्रिया सालों से चलती आ रही है. जब आप इसका कारण जानेंगे तो इस बनाने-तोड़ने की प्रक्रिया को सही मानेंगे.

रिपोर्ट के अनुसार पूर्वी कंबोडिया के मेकॉन्ग नदी पर ये अनोखा ब्रिज बनाया जाता है. ये बांस से बना ब्रिज है. रिपोर्ट के अनुसार करीब 3300 फीट लंबा ये ब्रिज कोह पेन नाम के आइलैंड को कैंपॉन्ग चैम नाम के शहर से जोड़ता है. इसके बनाने में करीब 50 हजार बांस के डंडों का इस्तेमाल किया जाता है. पर सवाल ये उठता है कि जो ब्रिज इतना लंबा है, जिसे इतनी मुश्किल से बनाया जाता है, और जिसमें हजारों लकड़ियां लगी हैं, तो फिर उसे हर साल बनाकर तोड़ क्यों दिया जाता है?

इस वजह से चलती है बनाने-तोड़ने की प्रक्रिया

इसका प्रमुख कारण है मौसम. गर्मी के दिनों में मेकॉन्ग नदी का जलस्तर काफी कम हो जाता है. इतना कम कि इसमें नाव भी ठीक से नहीं चल पाती. तब यहां के लोग नदी के ऊपर पुल बना देते हैं जिससे कोह पेन द्वीप के लोग आसानी से शहर

की ओर आ सकें. बारिश का सीजन मई से नवंबर का होता है. सीजन शुरू होने से कुछ वक्त पहले पुल को तोड़ना शुरू कर दिया जाता है क्योंकि नदी का बहाव इतना ज्यादा हो जाता है कि पानी की वजह से पुल टूट सकता है. तब लोग नाव से यात्रा करते हैं. पुल टूटने के बाद निकली हुई बांस की लकड़ी को या तो रख लिया जाता है या फिर किसी और चीज को बनाने के काम में लाया जाता है.

पुल पार करने के लिए चुकाने पड़ते हैं रुपये

सालों से इस पुल को बनाने और तोड़ने का काम जारी है. कंबोडिया के सिविल वॉर के वक्त इसके निर्माण पर कुछ समय तक रोक लग गई थी. पुल इतनी मजबूती से बनता है कि सिर्फ पैदल यात्री ही नहीं, बल्कि कार, बाइक आदि भी इससे आसानी से पार हो जाती है. जो लोकल लोग पुल को पार करना चाहते हैं, उन्हें 100 कंबोडियन रियाल (2 रुपये) चुकाने पड़ते हैं. वहीं जो विदेशी इस पुल को देखने आते हैं, उन्हें 4000 रियाल (80 रुपये) चुकाने पड़ते हैं.

राम सेतु की याद दिलाता है 50,000 बांसों से बना यह पुल

वाल्मिकी की 'रामायण' में भी जब भगवान राम, पत्नी सीता को रावण से बचाने के लिए लंका पर चढ़ाई करते हैं, तो अपनी सेना के लिए लंका तक पत्थरों की मदद से एक सेतू का निर्माण करवाया था, जिसे 'राम सेतु' कहा जाता है। कंबोडिया में एक ऐसा ही ब्रिज है, जो इस सेतु की याद दिलाता है।

दुनिया में अलग-अलग तरह के पुल हैं। कुछ प्रकृति की मदद से बने हैं, तो कुछ इंसानों के दिमाग की ऊपज हैं। हालांकि, इन पुलों ने इंसानों की जिंदगी को आसान बनाने का काम किया है। वाल्मिकी की 'रामायण' में भी जब भगवान राम, पत्नी सीता को रावण से बचाने के लिए लंका पर चढ़ाई करते हैं, तो अपनी सेना के लिए लंका तक पत्थरों की मदद से एक सेतू का निर्माण करवाया था, जिसे 'राम सेतु' कहा जाता है। कंबोडिया में एक ऐसा ही ब्रिज है, जो इस सेतु की याद दिलाता है। हालांकि, उसे बांसों की मदद से बनाया गया है। इस 3,300 फीट लंबे पुल को 50 हजार बांसों की मदद से पानी में खड़ा किया गया है, जो दिखने में बेहद अद्भुत लगता है।

हर साल इसे बनाया जाता है दोबारा

बरसात के मौसम से ठीक पहले, स्थानीय लोग इस पुल को तोड़ देते हैं। ताकि? नदी में आने वाली बाढ़ इसमें लगे बांसों को बहा ना ले जाए। यह लोग ब्रिज के सभी बांसों को संभालकर रखते हैं। मौसम सही हो जाने के बाद हर साल वह इसे उन्हीं बांसों से दोबारा बनाते हैं। ऐसा हर साल किया जाता है। हालांकि, कंबोडिया में हुए गृह युद्ध के दौरान इस पुल को नहीं तोड़ा गया था। उस समय मजबूती से खड़ा रहा था।

इस पुल से गुजरते हैं ट्रक और गाड़ियां

यह पुल भले ही बांस के डंडों से बनाया गया हो। लेकिन इसकी मजबूती का सबूत इससे गुजरने वाले साइकिल, कार, मोटरसाइकिल और ट्रक देते हैं। बता दें, यह पुल मेकांग नदी पर बना है, जो कोह पेन के एक हजार परिवारों को काम्पोंग चम शहर से जोड़ता है।

इस पुल के इस्तेमाल पर देने पड़ते हैं पैसे

यह पुल निशुल्क नहीं है। इससे गुजरने के लिए स्थानीय लोगों को करीब 2 रुपये देने पड़ते हैं। जबकि विदेशी पर्यटकों से इसका 40 गुना लिया जाता है। अगर आपको यह ब्रिज देखना है, तो अप्रैल महीने में कंबोडिया हो आइए। और हां, जब यह ब्रिज हटा दिया जाता है, तो लोग नाव की मदद से एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं।

पिछले साल यहां की सरकार ने मेकोंग नदी पर इस पुल के पास में कंक्रीट का पुल भी बना दिया है। इससे लोगों में डर हो गया कि बांस के पुल की परंपरा खत्म हो जाएगी। मगर यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों का कहना है कि बांस का यह पुल अब भी पूरी मजबूती से बना हुआ है। हालांकि अब यह पहले की अपेक्षा संकरा हो गया है और सिर्फ पैदल यात्री इसका इस्तेमाल करते हैं।

ओडिशा के चांदीपुर शहर में है हाइड एंड सीक बीच

क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा समुद्र तट है जहां पहले समुद्र दिखाई देता है और फिर पलक झपकते ही गायब हो जाता है। यह समुद्र तट ओडिशा के चांदीपुर शहर में है। यह भुवनेश्वर से लगभग 200 किमी दूर है। यह प्राकृतिक घटना रोजाना कम से कम दो बार होती है। 5 से 6 किमी तक के इस 'हाइड एंड सीक' बीच पर पानी सेकंड्स में गायब हो जाता है और रेत के टीले दिखाई देने लगते हैं। लेकिन अन्य सभी चीजों की तरह इस घटना के पीछे भी विज्ञान है। क्षेत्र में उच्च और निम्न ज्वार में बड़े पैमाने पर अंतर के कारण रेत के टीले पानी पर हावी हो जाते हैं।

भारत में कई विचित्र स्थान देखने को मिल जाएंगे, जिनका रहस्य यकीनन सुलझा पाना कभी-कभी मुश्किल हो जाता है। ऐसे ही रहस्यों से घिरा हुआ है ओडिशा का चांदीपुर बीच। ओड़िशा राज्य में, चांदीपुर के एक छोटे से शहर में बालासोर गांव के नजदीक, चांदीपुर बीच एक ऐसी शांत जगह है, जो रहस्य में डूबी हुई है। इस बीच का एक अनोखा राज है, समुद्र का पानी समय-समय पर आंखों के सामने से गायब हो जाता है और कुछ समय बाद फिर से दिखाई देने लगता है।

चांदीपुर बीच

चांदीपुर बीच को अपने अलग ही प्राकृतिक खूबी के लिए जाना जाता है, इस बीच को हाइक एंड सीक बीस भी कहते हैं। भुवनेश्वर से करीबन 200 किमी दूर मौजूद, कम फेमस ये बीच बालासोर गांव के पास स्थित है, जिसकी कुछ दिलचस्प बातें जानकर हर किसी का यहां घूमने का मन कर जाता है। बता दें, ये समुद्र अगर आपको एक दिन पानी के साथ दिखाई देगा, तो दूसरे दिन गायब हो जाएगा।

इस समुद्र में पानी के कम होने की प्रक्रिया कम और ज्यादा प्रवाह की वजह से दिन में दो बार होती है। अगर आप इस बीच पर ज्यादा देर के लिए रुकेंगे, तो आपको बीच कुछ देर के लिए गायब और थोड़ी देर बाद फिर से उसी किनारे दिख जाएगा। हालांकि यहां रहने वाले निवासियों के लिए ये प्रक्रिया आम है, लेकिन यहां आने वाले पर्यटकों के लिए ये चीज वाकई में नई रहती है।

चांदीपुर बीच पर समुद्रीसीप

इस बीच की सैर पर जाने के लिए ये एक और कारण है, जो आपको यहां घूमने के लिए मजबूर कर देगा। कम प्रवाह के दौरान समुद्र के किनारे कई समुद्री मोती भी दिख जाते हैं, यही नहीं केकड़े और छोटी-छोटी मछलियां भी बीच के किनारे आ जाती हैं। वैसे ये चीज आपको हर बीच में दिखाई नहीं देगी। यहां फैले हुए कैसुअरिना पेड़ और रेत के टीलों इस जगह को और भी ज्यादा आकर्षक बना देते हैं।

रिजवान का पत्ता साफ, पाकिस्तान टीम को मिला नया कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के समापन के ठीक बाद पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज खेलनी है. पाक टीम का एलान करके सलमान आगा को नया टी20 कप्तान नियुक्त कर दिया है. न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम से मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम की छुट्टी हो गई है, हालांकि चयनकर्ताओं ने दोनों फॉर्मेट में अब भी शाहीन शाह अफरीदी पर भरोसा दिखाया है.

अभी पाकिस्तान टीम के अंतरिम हेड कोच आकिब जावेद ने लाहौर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सलमान आगा को कप्तान बनाने की जानकारी दी. सबसे चौंकाने वाला फैसला यह है कि टी20 टीम से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को बाहर कर दिया गया है. आकिब जावेद ने बताया कि टीम मैनेजमेंट युवाओं को मौका देना चाहता है. बताते चलें कि टी20 स्क्वाड से नसीम शाह और मोहम्मद हसनैन को भी ड्रॉप कर दिया गया है.

31 साल के सलमान आगा के हाथों में कमान

कब खेली जाएगी पाकिस्तान-न्यूजीलैंड टी20 सीरीज

अभी न्यूजीलैंड टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेल रही है, जहां 5 मार्च को उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलना है. पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टी20 सीरीज 16 मार्च से शुरू होगी और 26 मार्च तक दोनों टीमों के बीच पांच टी20 मैच खेले जाएंगे. बताते चलें कि टी20 सीरीज के बाद दोनों देशों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी. पाकिस्तान, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में मेजबान होते हुए भी एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाया था और ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया था.

पाकिस्तान का टी20 स्क्वाड:

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, मुहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मुकीम, उस्मान खान.

शमा मोहम्मद ने विराट कोहली को भी बताया था विदेशी, शादी को लेकर भी उठाया था सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के वजन पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा का वजन जरूरत से ज्यादा है और प्रभावी कप्तान नहीं है। इस बयान के बाद काफी हंगामा मचा था। शमा ने पहली बार किसी क्रिकेटर पर बयान नहीं दिया है। वह इससे पहले विराट कोहली को लेकर भी विवादित बयान दे चुकी हैं।

शमा मोहम्मद ने कोहली को लेकर दिया था बयान

सोशल मीडिया पर शमा मोहम्मद का सात साल पुराना ट्वीट वायरल हुआ है। इस पोस्ट में वह विराट कोहली पर निशाना साध रही थीं। विराट कोहली ने उस समय एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया को पसंद करने वालों को वहीं चले जान चाहिए। शमा ने इसी इंटरव्यू को लेकर कोहली पर निशाना साधा था और वह उसकी शादी तक को बीच में ले आई थीं।

कोहली को किया था ट्रोल

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'विराट कोहली ब्रिट्रिश द्वारा बनाया गया गेम खेलते हैं, वह विदेशी ब्रांड्स को एंडोर्स करके करोड़ों रुपए कमाते हैं, उन्होंने इटली में शादी की। हर्षल गिब्स को अपना

पसंदीदा क्रिकेटर और एंजलीक कर्बर को पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी मानते हैं और विदेशी बल्लेबाजों को पसंद करने वालों को भारत छोड़ने को कहते हैं।'

रोहित शर्मा को लेकर दिया था विवादित बयान

शमा ने रोहित शर्मा को लेकर पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा, 'शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! और निश्चित रूप से वह भारत के अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान हैं।''कांग्रेस ने स्वीकार किया कि उन्होंने मर्यादा का उल्लंघन किया है और पार्टी ने उनसे पोस्ट डिलीट करने के लिये भी कहा।

एशियाई चैंपियंस लीग

रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल-नासेर ने एस्तेघलाल से ड्रॉ खेला

तेहरान, एजेंसी। दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्ड की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के अल-नासेर ने एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल मैच में ईरान के एस्तेघलाल के साथ पहले चरण के मैच को गोलरहित ड्रॉ खेला। 40 साल के रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड और रीयाल मैड्रिड के साथ पांच बार यूएफा चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं। इस साल जनवरी में एस्टन विला से अनुबंधित किए गए जॉन डुरान सोमवार को खेले गये मैच में गोल करने के करीब पहुंच कर चूक गए। लीवरपूल के पूर्व स्टार सादियो माने के पास मौके थे लेकिन एस्तेघलाल के गोलकीपर सईद होसैन होसैनी ने शानदार खेल से उनके सभी प्रयासों को विफल कर दिया। दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का मैच 11 मार्च को रियाद में होगा, जिसे जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी। एक अन्य मैच में संयुक्त अरब अमीरात के अल वस्ल को कतर के अल-साद ने गोलरहित बराबरी पर रोका।

जॉर्ज लिंडे दक्षिण अफ्रीका की टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए

लाहौर, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल किया गया है। वह दाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे एडेन मार्करम की जगह लेंगे।

इंग्लैंड के खिलाफ फील्डिंग करते समय मार्करम को चोट लगी थी और उन्हें मैच के बाकी समय मैदान से बाहर बैठना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए उनकी उपलब्धता मंगलवार शाम के प्रशिक्षण सत्र के दौरान फिटनेस टेस्ट के बाद तय की जाएगी। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, लिंडे का शामिल होना दक्षिण अफ्रीका की आकस्मिक योजना का हिस्सा है, खासकर अगर वे दुबई में होने वाले फाइनल में पहुंचते हैं, जहां शुष्क परिस्थितियों के कारण अतिरिक्त स्पिनर की जरूरत पड़ सकती है। लिंडे दक्षिण अफ्रीका के 2014 के सफल अभियान के बाद टीम में शामिल हुए हैं, जहां उन्होंने एमआई केपटाउन की पहली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 11 मैचों में उन्होंने 153.33 की स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए और 6.29 की शानदार इकॉनमी से 11 विकेट लिए।

योगासन चैंपियनशिप:

भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई ओलंपिक परिषद, विश्व योगासन, एशियाई योगासन और योगासन इंद्रप्रस्थ द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम योगासन को ओलंपिक में शामिल करने की दिशा में खाका तैयार करने में मदद करेगा।

भारत दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी 29 से 31 मार्च तक यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में करेगा जिसमें कुल 16 देश भाग लेंगे। खेल मंत्रालय और योगासन भारत के सहयोग से आयोजित की जा रही इस चैंपियनशिप का उद्देश्य योगासन की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक महत्व को अपनाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रदर्शन करना है। एशियाई ओलंपिक परिषद, विश्व योगासन, एशियाई योगासन और योगासन इंद्रप्रस्थ द्वारा समर्थित यह कार्यक्रम योगासन को ओलंपिक में शामिल करने की दिशा में खाका तैयार करने में मदद करेगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, योग की जन्मभूमि भारत को दूसरी एशियाई योगासन चैंपियनशिप की मेजबानी करने का गौरव प्राप्त है। यह आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं

है। यह हमारे प्राचीन ज्ञान का उत्सव है जो आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा, हम योगासन को वैश्विक खेल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह चैंपियनशिप उस लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हम इस आयोजन के माध्यम से योगासन की उपयोगिता खेल के संदर्भ में समझ सकेंगे। योगासन में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जीवन को बदलने की शक्ति भी है। एशियाई योगासन के अध्यक्ष संजय मालपानी ने चैंपियनशिप के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, योगासन चैंपियनशिप योगासन को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल के रूप में स्थापित करने के हमारे मिशन में एक निर्णायक क्षण है।

हम इसमें आधुनिक एथलेटिक उत्कृष्टता के साथ परंपरा के मिश्रण को देख रहे हैं। विश्व योगासन के महासचिव जयदीप आर्य ने कहा, इस चैंपियनशिप में पूरे एशिया के असाधारण खिलाड़ी एक मंच पर आयेंगे.

मोहन कैबिनेट के बड़े फैसले- गेहूं पर मिलेगा 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस, गुड़ी पड़वा पर भव्य आयोजन समेत कई महत्वपूर्ण निर्णय

निवेश प्रस्तावों की होगी साप्ताहिक समीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए गेहूं पर 175 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। यह बोनस न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के अलावा दिया जाएगा, जिससे इस बार गेहूं का कुल दाम 2600 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। यह निर्णय मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसमें किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ प्रदेश में निवेश और विकास से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

गेहूं पर 175 रुपये बोनस, धान किसानों के लिए भी खुशखबरी: 15 मार्च से प्रदेश में गेहूं की खरीद एमएसपी दर पर शुरू होगी, जिसकी मूल दर 2425 रुपये प्रति क्विंटल तय है। इसके अतिरिक्त, किसानों को 175 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस मिलेगा, जिससे किसानों को गेहूं का मूल्य 2600 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। इसके अलावा, धान किसानों को भी राहत देते हुए 4000 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है, जिससे प्रदेश के अन्नदाताओं को सीधा लाभ पहुंचेगा।

कैबिनेट बैठक में निवेश प्रस्तावों की नियमित समीक्षा का नया फॉर्मूला: कैबिनेट की बैठक शुरू होने से पहले मंत्रियों ने हाल ही में संपन्न हुए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (त्रढ्ढस्) की शानदार सफलता के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अभिनंदन किया। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निवेश को ज़मीन पर उतारने की रणनीति साझा की। तय किया गया है कि-

- सभी विभागों के प्रमुख सचिव हर सप्ताह अपने विभागों में आए निवेश प्रस्तावों की समीक्षा करेंगे।
- मुख्य सचिव हर महीने पूरे प्रदेश की निवेश स्थिति की समीक्षा करेंगे।
- हर दो महीने में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक होगी, जिसमें निवेश और प्रगति की विस्तृत समीक्षा होगी।
- इसका उद्देश्य 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश को जल्द से जल्द धरातल पर लाना है।

प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए 30 मार्च से जय गंगा जल संवर्धन अभियान की शुरुआत की जाएगी। यह अभियान 30 जून तक चलेगा, जिसमें प्रदेश भर की जल संरचनाओं का संरक्षण, संवर्धन और वॉटर रिचार्ज पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह अभियान गांव-गांव, शहर-शहर जल जागरूकता लाने और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का सबसे बड़ा प्रयास होगा। कैबिनेट ने यह भी निर्णय लिया है कि भारतीय नववर्ष यानी गुड़ी पड़वा का पर्व प्रदेश सरकार पूरे जोर-शोर से मनाएगी। इस दिन प्रदेशभर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। वहीं, उज्जैन में चल रहे विक्रमोत्सव के तहत 30 मार्च को विशेष भव्य आयोजन होगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लेकर ऐतिहासिक महत्व को उजागर करने वाले आयोजन होंगे। प्रदेश में सीमांकन और बटांकन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल किया जाएगा। इसके लिए कैबिनेट ने 138.41 करोड़ रुपये के प्रावधान को मंजूरी दी है। अब भूमि संबंधी विवादों और सीमांकन कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए डिजिटलीकरण को अनिवार्य किया जाएगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मास्टर टीचर का प्रशिक्षण

सरकार ने आंगनवाड़ी केंद्रों की शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए भी बड़ा कदम उठाया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मास्टर टीचर का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें उन्हें यह सिखाया जाएगा कि आंगनवाड़ी में आने वाले छोटे बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान और सामान्य ज्ञान कैसे सिखाया जाए। यह निर्णय प्रदेश के लाखों आंगनवाड़ी बच्चों के शुरुआती शिक्षा स्तर को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब बड़े उद्योग प्लानिंग एरिया के बाहर भी स्थापित किए जा सकेंगे। यदि कोई बड़ा निवेश प्रस्ताव आता है और क्षेत्र विशेष औद्योगिक योजना में शामिल नहीं है, तो सरकार विशेष अनुमति देकर वहां उद्योग स्थापित करने की अनुमति दे सकेगी। यह निर्णय प्रदेश के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में भी औद्योगिक विकास का रास्ता खोलेगा। इन फैसलों से प्रदेश में एक तरफ जहां किसानों को राहत मिलेगी, वहीं उद्योगों के विस्तार और निवेश प्रोत्साहन को भी नई दिशा मिलेगी। जल संरक्षण और संवर्धन से प्रदेश की जल उपलब्धता मजबूत होगी, तो आंगनवाड़ियों में मास्टर टीचर व्यवस्था बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता को नए आयाम देगी। गुड़ी पड़वा और विक्रमोत्सव जैसे सांस्कृतिक आयोजनों से भारतीय संस्कृति और परंपराओं का गौरव बढ़ेगा। मोहन कैबिनेट के ये फैसले प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। अब देखना यह है कि इन फैसलों को ज़मीनी स्तर पर कितनी तेजी से और कितनी पारदर्शिता से लागू किया जाता है, ताकि प्रदेश की जनता को इनका सीधा लाभ मिल सके।

मैहर में भीषण सड़क हादसा

बच्चों को ले जा रही स्कूल वैन अनियंत्रित होकर पलटी, 10 बच्चे सहित ड्राइवर घायल, 4 की हालत गंभीर

मैहर। मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। स्कूल वैन का टायर फटने से वाहन पलट गया। जिससे 10 बच्चे और ड्राइवर घायल हो गए। वहीं 4 की हालत गंभीर है। जिसे रीवा के संजय गांधी अस्पताल भेजा गया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है।मामला जिले के ताला थाना क्षेत्र के पोड़ीखुर्द गांव का है। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि, एसपी चिल्ड्रन एकेडमी की वैन स्कूल के लिए रवाना ही हुई थी कि कुछ ही दूरी पर अचानक टायर फट गया। जिसके कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह वो सड़क किनारे पलट गया। घटना के समय मौके पर मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने बच्चों को वाहन से बाहर निकाल कर पास के अस्पताल भेजा।इधर घटना की सूचना मिलते ही

मौके पर पुलिस पहुंची। और पूरे मामले की जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण टायर फटना बताया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल चार बच्चों और चालक का इलाज रीवा के संजय गांधी अस्पताल में किया जा रहा है, जबकि बाकी बच्चों को मामूली चोटें आई हैं और उनका प्राथमिक उपचार किया गया है।

मंत्री गोविंद राजपूत का बड़ा एक्शन- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को 20 करोड़ का मानहानि नोटिस

परिवहन घोटाले और 1500 करोड़ की जमीन खरीद मामले में लगाए थे गंभीर आरोप

भोपाल। मध्य प्रदेश की सियासत में एक बार फिर बड़ा तूफान खड़ा हो गया है। राज्य सरकार के कद्दावर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच सीधा टकराव सामने आया है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को 20 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस थमाया है। यह नोटिस सिंघार द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के जवाब में भेजा गया है, जिनमें परिवहन विभाग में हजारों करोड़ रुपये के घोटाले, भ्रष्टाचार के पैसों से अरबों की संपत्ति खरीदने, और राज्य के अफसरों के साथ मिलकर काले धन की हेराफेरी जैसे संगीन आरोप शामिल हैं।

क्या हैं पूरे आरोप, क्यों मचा सियासी बवाल: कुछ दिन पहले ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राजधानी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मध्य प्रदेश के बहुचर्चित 52 किलो सोना और 10 करोड़ कैश मामले में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का नाम जोड़ते हुए चौंकाने वाले आरोप लगाए थे। सिंघार ने कहा था कि, प्रदेश का परिवहन विभाग भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है, जहां से हर महीने सैकड़ों करोड़ की अवैध कमाई होती है। इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड कोई और नहीं बल्कि खुद मंत्री गोविंद सिंह राजपूत हैं।÷

52 किलो सोना और 10 करोड़ कैश कांड से कनेक्शन का दावा: सिंघार ने खुलासा किया था कि सौरभ शर्मा कांड, जिसमें 52 किलो सोना और 10 करोड़ कैश बरामद किया गया था, उसकी कड़ियां सीधे गोविंद सिंह राजपूत तक जाती हैं। उन्होंने दावा किया कि गोविंद सिंह राजपूत ने रिटायर्ड अफसरों दशरथ पटेल और अलीम खान के जरिए इस काले खेल को संचालित किया। संजय ढांडे नामक अधिकारी का भी नाम उछालते हुए सिंघार ने कहा कि यह पूरा गिरोह मंत्री के संरक्षण में काम करता रहा है। उमंग सिंघार ने दावा किया कि 2019 से 2024 के बीच गोविंद सिंह राजपूत ने अपनी पत्नी, बच्चों, सास और रिश्तेदारों के नाम पर करीब 1500 करोड़ रुपये की संपत्ति खरीदी है।